WELLAND GOULDSMITH SCHOOL

CLASS-3

SUBJECT-2nd LANGUAGE HINDI

CHAPTER-7

बुद्धिमान तेनालीराम

WORKSHEET

सार

- तेनालीराम की चतुराई और बुद्धिमानी की कहानियाँ बहुत प्रसिद्ध हैं। विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय उनसे बहुत प्रभावित थे।
- एक बार महाराज कृष्णदेव राय तेनालीराम से किसी बात पर नाराज होकर उन्हें डाँटते हुए चले जाने तथा कभी अपना मुँह ना दिखाने को कहा।
- दूसरे दिन तेनालीराम अपने मुँह पर मुखौटा लगाकर दरबार में आए तथा महाराज के क्रोधित होने पर कहा कि उनका मुँह महाराज को ना दिखे इसलिए मुखौटा लगाकर उन्होंने महाराज की आज्ञा का पालन किया है।
- सभी दरबारी तेनालीराम की प्रशंसा करने लगे तथा महाराज ने उन्हें क्षमा कर दिया।
- एक दिन तेनालीराम के घर में कुछ चोर घुस आए।उन्होंने चोरों को सुनाते हुए अपनी पत्नी से कहा कि घर में जो भी हीरे- जवाहरात और आभूषण है, उन्हें संदूक में भरकर बगीचे के कुएँ में छिपा देंगे ताकि चोर डाकू उनके धन को ना चुरा पाए।
- यह कह कर तेनालीराम ने 'धड़ाम' की आवाज के साथ एक बड़ा सा पत्थर कुएँ में डाल दिया।
- चोर कुएँ से धन पाने की लालच में रात भर बाल्टियों से पानी निकालते रहें।
- सुबह तेनालीराम को देखकर चोर भागने लगे। तेनालीराम ने भागते हुए चोरों को रात भर में बगीचा सींच देने के लिए शाबाशी दी।
- अपनी चतुराई से तेनालीराम ने अपना धन भी बचाया और चोरों से बगीचा भी सिंचवा लिया।

Q1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए-

a. क्रोध
b. साहस
c. प्रशंसा
d. आभूषण
e. विनम्रता
f. अशिष्टता

Q2. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनायें-

a. क्षमा
b. बुद्धिमान

c. कुआँ
d. क्रोध
e. धन

Page no-40

2.सोचें और बोलें-

i, i, iii

Page no 41

3.लघु उत्तर लिखें-

I, ii, iii, iv

Page no 41

4.सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करें-

i, ii, iii, iv,v